भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2341
उत्तर देने की तारीख 04.08.2025

स्कूली छात्रों में भारतीय शास्त्रीय नृत्यों को बढ़ावा देना

2341. श्री राजीव राय :

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने स्कूली पाठ्यचर्या में भारतीय शास्त्रीय नृत्यों के विभिन्न रूपों को शामिल करने के लिए कोई निर्देश जारी किए हैं;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने भारतीय शास्त्रीय नृत्यों में मेधावी स्कूली छात्रों के लिए कोई छात्रवृत्ति आरंभ की है/आरंभ करने का विचार कर रही है;

(घ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ड.) विगत पाँच वर्षों के दौरान सरकार द्वारा स्कूली छात्रों के बीच भारतीय शास्त्रीय नृत्यों को बढ़ावा देने के लिए उपयोग की गई निधि का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री
(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) और (ख): जी, हां। भारत सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के उद्देश्यों के अनुरूप भारतीय पारंपरिक नृत्यों के विभिन्न रूपों को स्कूली शिक्षा ढांचे में समेकित करने के लिए कदम उठाए हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 एक अंतर-पाठ्यक्रम शैक्षणिक दृष्टिकोण के रूप में पारंपरिक नृत्य जैसे भारतीय कला रूपों को कक्षा अधिगम की मुख्यधारा में समावेश को प्रोत्साहित करके कला-समेकित शिक्षा का समर्थन करती है। यह छात्रों में सृजनात्मकता, सांस्कृतिक जुड़ाव और समग्र विकास को बढ़ावा देने के लिए शिक्षा के सभी स्तरों पर भारतीय कलाओं के महत्व पर ज़ोर देती है।

इस उद्देश्य से, संस्कृति मंत्रालय ने अपने स्वायत्त संगठन संगीत नाटक अकादमी के माध्यम से कला धरोहर श्रृंखला शुरू की है, जो विशेष रूप से स्कूली छात्रों के बीच शास्त्रीय नृत्य सहित भारतीय प्रदर्शन कलाओं के प्रति जागरूकता और भावबोध को बढ़ावा देने के लिए तैयार की गई है।

इन लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए, संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत अन्य निकाय जैसे सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र (सीसीआरटी) भी देश भर के स्कूलों में कार्यशालाएं, अभिविन्यास कार्यक्रम और सांस्कृतिक गतिविधियां आयोजित करते हैं, जो भारतीय कला और संस्कृति को बढ़ावा देने में योगदान करते हैं।

(ग) और (घ): भारत सरकार अपने स्वायत्त निकाय, सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र (सीसीआरटी) के माध्यम से विभिन्न, विविध और समृद्ध भारतीय सांस्कृतिक विरासत के परिरक्षण और संवर्धन के लिए छात्रवृत्ति प्रदान करती है।

सीसीआरटी सांस्कृतिक प्रतिभा खोज छात्रवृत्ति स्कीम, सीटीएसएसएस (10-14 वर्ष) के माध्यम से वर्ष 1982 से विभिन्न सांस्कृतिक क्षेत्रों जैसे संगीत, नृत्य, नाटक के पारंपरिक रूपों के साथ-साथ चित्रकला, मूर्तिकला, शिल्प और साहित्यिक गतिविधियों में विशेष प्रशिक्षण प्रदान करता है।

(ड.): सीसीआरटी सांस्कृतिक प्रतिभा खोज छात्रवृत्ति स्कीम (सीटीएसएसएस) क्रियान्वित कर रहा है, इस योजना में 9000/- रु. प्रति वर्ष की अधिकतम सीमा तक गुरु/शिक्षक को भुगतान की गई वास्तविक ट्यूशन फीस की प्रतिपूर्ति के अतिरिक्त छात्रवृत्ति धारक के लिए छात्रवृत्ति का मूल्य 3600 रुपए प्रति वर्ष है।

पिछले पांच वर्षों के दौरान भारतीय शास्त्रीय नृत्य के क्षेत्र में उपर्युक्त स्कीम के अंतर्गत देश भर में प्रदान की गई छात्रवृत्तियों की संख्या इस प्रकार है :

वर्ष	**सांस्कृतिक प्रतिभा खोज छात्रवृत्ति स्कीम**
2020-21	213
2021-22	224
2022-23	154
2023-24	242
2024-25	269

विस्तार सेवा सामुदायिक प्रतिक्रिया कार्यक्रम:

कार्यक्रम	**वर्ष**	**प्रशिक्षित छात्रों/शिक्षकों/सीसीआरटी अधिकारियों की संख्या**	**वास्तविक बजट (रुपए में)**
(क) ग्रीष्मकालीन शिविर: इंद्रधनुष (ख) विस्तार सेवा सामुदायिक प्रतिक्रिया कार्यक्रम	2022-23	14,326	14,71,885/-
	2023-24	31,520	28,60,926/-
	2024-25	45,248	51,73,354/-

*****